अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 18.12.2015

प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 80

प्र.1 किन्हीं सोलह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए – 16

आचार्य भिक्षु (कोई बारह प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) जैन परंपरा के अनुसार प्रथम व अन्तिम तीर्थंकर किस धर्म का प्रवर्त्तन करते हैं?

(ख) धूमकेतू ग्रह के अवधी समाप्ति पर किसकी दीक्षा हुई तथा तेरापंथ में वे कौन से मुनि बने?

(ग) टीकमजी डोसी अपनी जिज्ञासाओं को कितने पन्नों में लिखकर लाए तथा स्वामीजी ने जो उनका समाधान किया वो संघ में किस नाम से आज भी सुरक्षित है?

(घ) आचार्य भिक्षु का नाथद्वारा से निष्कासन कब हुआ? उस समय वहाँ के उत्तरदायी श्रावक कौन थे?

(ड.) जयाचार्य द्वारा रचित् गीतिकाओं में स्वामीजी की स्तुति किस–किस नाम से हुई है?

(च) स्वामीजी ने अयोग्य व्यक्तियों को दीक्षित कर संख्या बढ़ाने की वृत्ति के विषय में क्या लिखा है?

(छ) ''जावज्जीवं सुसाहुणो गुरूणों'' इस आगम वाक्य का अर्थ क्या है?

(ज) घम्म जागरणा का प्रारंभ कब व किसके सान्निध्य में हुआ?

(झ) ''सच्चंसि घितिं कुव्वह'' इसका अर्थ लिखें।

(ञ) स्वामीजी ने आत्मकल्याण के लिए अभिनिष्क्रम कब व कहाँ से किया?

(ट) भगवान महावीर के माता–पिता किस परम्परा के अनुयायी थे?

(ठ) अभिनिष्क्रमण के पश्चात् स्वामीजी के प्रति जो घृणा का वातावरण बना जयाचार्य ने उसकी तुलना किससे की है?

(ड) भगवान महावीर की शिष्यसम्पदा कितनी थी उसमें केवल ज्ञानी कितने थे?

(ढ़) स्वामीजी का जन्म कब व किस नक्षत्र में हुआ?

आचार्य श्री भारमलजी (कोई चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ण) ''तेतली पुत्र का आख्यान'' इसमें गीतिकाएँ कितनी हैं तथा इसकी रचना कितने पन्नों में हुई है?

(त) 1869 का जयपुर चातुर्मास दीक्षा की दृष्टि से गौरवशाली कैसे बना?

(थ) ''कंखे गुणे जाव सरीर भेड़'' इस आगम वाणी का अर्थ लिखें।

(द) आचार्य भारमलजी दिवंगत् हुए उस समय धर्मसंघ में कितने साधु–साध्वियाँ विद्यमान थे?

(ध) आचार्य भारमलजी ने स्वामीजी से पृथक चातुर्मास कब व कहाँ किया?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 10

आचार्यश्री भिक्षु (किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) थोकड़ा किसे कहते हैं? स्वामीजी रचित थोकड़ों के नाम लिखें।

(ख) आगम के अनुसार अपने संकल्पित कार्य को भविष्य पर कौन छोड़ सकता है?

(ग) पीपाड़ निवासी चौथमलजी ने स्वामीजी से कहा भीखणजी मैं आपको असली साधु नहीं मानता, फिर भी वस्त्र दान दिया है मुझे इसका फल शुभ होगा या अशुभ? स्वामीजी ने इसका क्या उत्तर दिया?

(घ) किसी ने स्वामीजी से पूछा पौषध करने वाले को मकान दिया उसे क्या हुआ? स्वामीजी ने इसका उत्तर क्या दिया?

आचार्यश्री भारमलजी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(ड.) आगरिया के ठाकुर को उदास देखकर आचार्य भारमलजी ने क्या कहा? तथा उनके वचन का चमत्कार क्या हुआ?

(च) स्वामीजी ने मुनि भारमलजी को नींद उड़ाने का उपाय क्यों और क्या बताया?

(छ) केलवा को तेरापंथ का प्रथम क्षेत्र बनने का सौभाग्य प्राप्त कराने में स्वामीजी तथा मुनि भारमलजी का निर्भीक साहस कैसे सहायक बना?

(ज) आचार्य भारमलीजी के दाह संस्कार में उनकी चादर चमत्कारी कैसे बनी तथा आज वह कहाँ विद्यमान है?

आचार्य भिक्षु

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 18

(क) सिद्ध करें कि भीखणजी ने दीक्षा के बाद अपना ध्यान अध्ययन और मनन में लगा दिया।

(ख) ''साला हो सकता हूँ'' घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु विपक्ष की कटुतम बातों को अनुत्तेजित सहकर व्यंग्य मिश्रित विनोद में बदल देते थे।

(ग) ''मुझे ही सत्य किया'' घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु मानव मन के अनन्य पारखी थे।

(घ) ''वह बुद्धि किस काम की'' घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि स्वामीजी का प्रत्येक कार्य अत्यात्मभाव को जागृत करने वाला होता था।

प्र.4 सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु जहाँ तेरापंथ के आद्य प्रवर्त्तक थे वहीं तेरापंथ के साहित्य क्षेत्र में भी आद्य पुरुष थे। 15

'अथवा'

दृष्टांतों द्वारा सिद्ध करें कि स्वामीजी स्वभाव से जितने गम्भीर थे, उतने विनोदी भी थे।

आचार्यश्री भारमलजी

प्र.5 तेरापंथ में आचार संहिता का प्रारंभ कब व कहाँ से हुआ तथा उसके मुख्य बिन्दु कौन–कौन से हैं? 6

'अथवा'

आचार्य भारमलजी के तपस्या अभिरूप पर टिप्पणी लिखें।

प्र.6 आचार्य भारीमालजी के शासन काल में घटित घटनाओं द्वारा सिद्ध करें कि वे एक ''कुशल धर्माचार्य'' थे। 15

'अथवा'

आचार्य भारमलजी को दीक्षा के चार वर्ष बाद ही समस्या के वात्याचक्र में फंस जाना पड़ा। सप्रसंग लिखें।

तेरापंथ प्रबोध – 20

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें – 8

(क) भिक्खण बात.....न बढ़ै तकरार हो।। (ख) अरे हेमड़ा.....ललचावै यू क्यूं।।

(ग) सार्वभौम सिद्धान्त.....नयो निखार हो।। (घ)तेरा मां स्यूं.....बढ़सी विस्तार।।

(ड) रघुवर आय.....लार हो।।

प्र.8 कोई तीन पद्य अर्थ सहित लिखें – 12

(क) ''बादलियो आंखड़ल्यां बरस्यो'' गीत वाला पद्य।

(ख) ''समयं गोयम'' वाला पद्य।

(ग) ''एकानी नदी एकानी हार'' वाला पद्य।

(घ) ''किशनोजी सुत रो कर'' वाला पद्य।

(ड.) ''स्वागत है अभ्यागत'' वाला पद्य।